International Journal of Leading Research Publication (IJLRP)

E-ISSN: 2582-8010 ● Website: www.ijlrp.com ● Email: editor@ijlrp.com

"इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और छत्तीसगढ़ की राजनीति"

श्रीमती प्रथा शर्मा[1], शुभ्रा मिश्रा[2]

[1]शोधार्थी (राजनीति विज्ञान) अटल बिहारी वाजपेयी विश्व विद्यालय बिलासपुर (छ.ग)
[2]सहायक प्राध्यापक (राजनीति विज्ञान) शा. मदनलाल शुक्ल महाविद्यालय सीपत, बिलासपुर (छ. ग.)

सारांशः–
इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आधुनिक संचार का एक महत्वपूर्ण माध्यम है जो जनसंपर्क के लिए उपयोग किया जाता है. इसमें टेलीविजन रेडियो इंटरनेट सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म शामिल होते हैं. आज मीडिया जन भावनाओं के निर्माण का एक सशक्त माध्यम बन गया है मीडिया को राजनीतिक शक्ति कहे तो भी गलत नहीं होगा क्योंकि मीडिया और राजनीति में गहरा संबंध है। छत्तीसगढ़ की राजनीति में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का विशेष प्रभाव है. राजनीतिक दल सोशल मीडिया के माध्यम से ही मतदाताओं तक पहुंच बढ़ा रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से जनता भी नेताओं की राय समझ पाते हैं। युवा मतदाताओं को जागरूक करना हो या सरकारी योजनाओं को जनता को समझना हो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ही एक प्रमुख माध्यम है. छत्तीसगढ़ के स्थानीय चौनल और डिजिटल मीडिया स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय पटल तक पहुंचाने का काम भी करते हैं. मीडिया ही छोटे राजनीतिक दलों को अपने विचार रखने का मौका देते हैं.छत्तीसगढ़ की राजनीति में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और भी मजबूत बनाया है।

मुख्य शब्दः– भारत, राजनीति, छत्तीसगढ़, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, लोकतंत्र।

प्रस्तावनाः–

वर्तमान समय में राजनीति सबसे अधिक गतिशील प्रक्रिया है और इस प्रक्रिया से उत्पन्न घटनाओं व्यक्तियों एवं तात्कालिक एवं दूरगामी प्रभाव को आम लोगों तक पहुंचाना इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का धर्म है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अपने सक्रिय उद्गम के पास से ही सरकार की प्रशासनिक ब्लॉक घोटाला और कर्मियों का पर्दाफाश करता आया है जितनी सक्रियता से यह सरकार की कमियों को बताता है उतनी सक्रियता से या सरकार के अच्छी योजनाओं को भी बतलाता. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने अपने कर्तव्यों व दायित्वों के उचित निर्वहन द्वारा भारतीय राष्ट्र राज्य की मजबूती में महत्वपूर्ण सहयोग दिया है।

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए या आवश्यक है कि इस व्यवस्था में देश–विदेश में होने वाले विभिन्न घटनाओं की सूचना यथा रूप एवं तत्काल देश के कोने–कोने में पहुंचे इसके माध्यम से ही नेता एवं अधिकारी अपने विचार जनता तक पहुंचाते हैं और जनता अपनी शिकायती व समस्याएं सरकार तक पहुंचाते हैं। कोरोना महामारी के बाद से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एक आम बात हो गई है इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सरकार के विकास योजनाओं को हर वंचित वर्ग तक पहुंचाने का कार्य करती है उदाहरण के रूप में दूरदर्शन का कृषि दर्शन कार्यक्रम और आईबीसी 24 द्वारा छत्तीसगढ़ी में रिपोर्टिंग. स्टिंग ऑपरेशन के द्वारा निजी मीडिया चौनल अपनी प्रमुख भूमिका निभाते हैं. जैसी विमुद्रीकरण कोरोना महामारी के समय भी टीवी न्यूज़ चौनल के माध्यम से जनता को सभी सूचनाओं पहुंचाई जा रही थी।

छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से आज शहर ही नहीं अपितु ग्रामीण अंचलों में भी सूचना प्रचार हो पा रहा है। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ आदिवासी इलाकों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचने में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की एक प्रमुख भूमिका देखने को मिल पा रही है आज हम अपने राज्य में छत्तीसगढ़ के विभिन्न न्यूज़ चौनल के माध्यम से तात्कालिक समस्याओं को जान पाते हैं छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया न केवल ग्रामीण और दूरस्थ आदिवासी इलाकों की समस्याओं से अवगत कराता है अभी तो स्थानीय भाषा में इसका और अधिक प्रचार कर इसे राजनीति से जोड़कर प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंच जाता है जिससे हर नागरिक अपनी बात भी मीडिया को पहुंचा पाते है। छत्तीसगढ़ में बहुत अधिक आबादी ग्रामीण अंचलों में निवासरत है जिसका प्रभाव छत्तीसगढ़ की राजनीति में अधिक देखने को मिलता है ग्रामीण अर्थव्यवस्था कृषि जीवन या गांव की समस्याओं को छोड़कर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रिपोर्टिंग नहीं कर सकती ।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का छत्तीसगढ़ की राजनीति पर प्रभावः–

1) जनमत निर्माण मेंः– मीडिया ही जनता की सोच व दृष्टिकोण को व्यक्त करने का माध्यम है टीवी में डिबेट समाचार प्रस्तुति और सोशल मीडिया के माध्यम से लोग राजनीतिक घटनाओं को देखते हैं।

2) एजेंडा तय करनाः– मीडिया ही यात्रा करती है कि कौन सा मुद्दा कितना महत्वपूर्ण है और किस मुद्दे को ऊपर ले जाना है।

3) नेताओं के छवि निर्माणः– इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ही नेताओं की छवि को सकारात्मक और नकारात्मक रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. इंटरव्यू भाषण लाइव कवरेज एक नेता की लोकप्रियता को दिखाता है जिससे लोग उसे नेता को पहचान पाते हैं कि वह कैसा है उसे वोट देना है या नहीं देना है उसे चुना जिससे लोग उसे नेता को पहचान पाते हैं कि वह कैसा है उसे वोट देना है या नहीं देना है।

4) चुनाव राजनीति पर :– चुनाव प्रचार का सबसे बड़ा माध्यम मीडिया है विज्ञापन, इंटरव्यू, पब्लिक, डिबेट और सोशल मीडिया कैंपेन मतदाताओं को प्रभावित करते हैं.एग्जिट पोल और ओपिनियन पोल भी मतदाताओं के मनोविज्ञान को प्रभावित करते हैं।

5)सोशल मीडिया का प्रभाव :– सोशल मीडिया के माध्यम से राजनीतिक संदेश तत्काल प्रसारित हो जाते हैं. वायरल वीडियो,पोस्ट का चुनाव में निर्णायक भूमिका होती है इसका युवा मतदाताओं पर और अधिक प्रभाव होता है।

6) मीडिया का शासन पर निगरानीः– मीडिया शासन पर निगरानी भी रखता है जैसे – घोटालों,भ्रष्टाचार और सरकारी नीतियों की कमियों को उजागर कर लोकतंत्र को मजबूत बनाता है।

7) नकारात्मक प्रभावः– मीडिया में यह भी देखा जाता है कि अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए न्यूज़ चौनल वाले पक्षपात पूर्ण रिपोर्टिंग या फेक न्यूज़ भी दिखाकर लोगों को भ्रमित भी करते हैं।

इस प्रकार देखा जाए तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का राजनीति पर प्रभाव स्पष्ट देखने के लिए मिलता है इसकी भूमिका कहीं पर कम नहीं है. एक मजबूत लोकतंत्र के निर्माण में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है।

विधानसभा चुनाव 2023 में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का प्रभावः–

विधानसभा चुनाव 2023 में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका प्रत्यक्ष रूप से देखने को मिलती है जिससे मतदान व्यवहार प्रभावित हुआ. विभिन्न मुद्दों को उजागर कर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने मतदान व्यवहार को प्रभावित किया वह निम्न है–

- तत्कालीन सरकार के ऊपर कई घोटाले और भ्रष्टाचार का आरोप सामने आया जैसे –महादेव एप घोटाला।
- सरकारी नौकरी और भर्तियों में अनियमितताएं भी सामने आई.(च्ब्) मे गड़बड़ी।
- शराब और कोयला खनन का आरोप भी सामने आया।
- राज्य में किसान और ग्रामीण मुद्दे बहुत बड़ी आबादी को प्रभावित करते हैं चुनाव से पहले किसान हित, न्यूनतम समर्थन मूल्य,ऋण माफी, फसलों की खरीद वादे और नीतियां मीडिया में चर्चा में रही।
- आदिवासी बहुल क्षेत्र में जल जंगल जमीन से जुड़ी चिंताएं और आदिवासी समुदायों के अधिकार सुरक्षित हो मीडिया ने चुनाव में प्रमुख विषय बनाया।
- बेरोजगारी,महंगाई,गरीबी,युवा मुद्दे इन मुद्दों को भी मीडिया ने चुनाव मे सामने लाया।
- राज्य के उन हिस्सों में जहां नक्सल प्रभावित है नक्सलवाद सुरक्षा बनाम विकास भी प्रमुख मुद्दा रहा।
- मीडिया ने यह भी दिखाया की जाति समीकरण आदिवासी पहचान भी वोट बैंक में सक्रिय है।

छत्तीसगढ़ में मीडिया प्रयोग की आदतेः–

- सूचना और मनोरंजन– लोक समाचार खेल मनोरंजन के लिए पारंपरिक और डिजिटल मीडिया का प्रयोग करते हैं जिसके माध्यम से उन्हें सूचना प्राप्त हो सके।
- सामाजिक और राजनीतिक जुड़ाव – सोशल मीडिया के माध्यम से लोग सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा और विचार विमर्श करते हैं।

- सूचना प्रसार – लोग एक दूसरे के साथ जानकारी साझा करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने भारत की विविधता और उसकी गहराई को दिखाकर भारतीय लोकतंत्र को मजबूती प्रदान किया है. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने भारत में उत्तर और दक्षिण को जोड़ने का भी कार्य किया है इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने अपनी खबरों के द्वारा देश में राजनीतिक जागरूकता पढ़ाई है 2024 का आम चुनाव है या छत्तीसगढ़ में 2023 का विधानसभा चुनाव मीडिया की महिती भूमिका परिलक्षित होती है. मीडिया का आधार सरल शब्दों में पत्रकारिता के रूप में जानी जाती है. इस संदर्भ में भारतीय समाज के प्रथम आधुनिक पुरुष तथा भारतीय पत्रकारिता की शीर्ष पुरुष राजा राममोहन राय की शब्द– पत्रकारिता से तात्पर्य जनता या पाठकों के समक्ष बौद्धिक निबंध प्रस्तुत करके उनके अनुभव को बढ़ाकर सामाजिक प्रगति में सहायता देना है, इसीलिए पत्रकारिता का दृष्टिकोण पाठकों या प्रेक्षकों को नींद से हिला कर उठने वाला तथा राष्ट्र की सर्वज्ञ प्रगति हेतु प्रयत्नशील बनाने वाला होना चाहिए।

लोकतंत्र की वास्तविक सार्थकता तभी होगी जब जनता और शासन व्यवस्था के बीच बेहतर संवाद कायम हो लोकतंत्र को मजबूत करने में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की बड़ी भूमिका होती है संचार माध्यमों ने भारत के संसदीय जीवन में निर्णायक भूमिका निभाई है विशेष रूप से 1990 के दशक के बाद इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने लोकतंत्र को बहुत ही अधिक प्रभावित किया है।

निष्कर्ष :–

छत्तीसगढ़ की राजनीति में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि राज्य की राजनीतिक प्रक्रिया, चुनावी माहौल तथा जनमत निर्माण में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया निर्णायक प्रभाव डालने लगा है। टीवी न्यूज़ चौनलों, डिजिटल न्यूज़ पोर्टलों, वेब चौनल्स और सोशल मीडिया आधारित इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म्स ने न केवल सूचना प्रसार की गति बढ़ाई है, बल्कि राजनैतिक मुद्दों को जनता तक पहुँचाने के स्वरूप को भी बदला है। 2023 के विधानसभा चुनावों के विश्लेषण से यह पाया गया कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने चुनावी विमर्श को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मीडिया रिपोर्टिंग, डिबेट, ग्राउंड रिपोर्ट, स्टिंग ऑपरेशन और राजनीतिक विज्ञापनों ने मतदाताओं के दृष्टिकोण को प्रभावित किया। मीडिया द्वारा उठाए गए मुद्दोंकृजैसे स्थानीय विकास, भ्रष्टाचार, सामाजिक न्याय, किसान समस्याएँ, बेरोजगारी, सरकारी योजनाओं का मूल्यांकन आदिकृने चुनावी एजेंडा को दिशा दी। इससे यह प्रमाणित होता है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अब केवल सूचनाओं का माध्यम नहीं रहा, बल्कि राजनीति का सक्रिय भागीदार बन चुका है।
शोध यह भी दर्शाता है कि मीडिया की भूमिका हमेशा निष्पक्ष नहीं होती। कुछ चौनलों में राजनीतिक झुकाव, टी आरपी–आधारित रिपोर्टिंग, सनसनीखेज प्रस्तुतिकरण और फेक न्यूज जैसी चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। यह स्थिति लोकतांत्रिक संवाद के लिए चिंता का विषय है और मीडिया की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि–

1. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने छत्तीसगढ़ की राजनीति को अत्यधिक प्रभावित किया है, विशेषकर चुनावों के दौरान।
2. जनमत निर्माण में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एक शक्तिशाली साधन बन चुका है।
3. राजनीतिक संवाद, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने में मीडिया सकारात्मक भूमिका निभाता है, यदि वह निष्पक्ष और तथ्याधारित रहे।
4. मीडिया साक्षरता (डमकपं स्पजमतंबल) और नैतिक पत्रकारिता की आवश्यकता बढ़ती जा रही है, ताकि मतदाता सही निर्णय ले सकें।

समग्र रूप से कहा जा सकता है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया छत्तीसगढ़ की राजनीतिक प्रक्रियाओं का अविभाज्य अंग बन चुका है। भविष्य में भी इसकी भूमिका और प्रभाव बढ़ने की संभावना है, परंतु इसके सकारात्मक उपयोग और विश्वसनीयता को बनाए रखना लोकतंत्र की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1) नद्दाफ, डॉ. रेशमा, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और हिंदी, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली।
2) भनावत, डॉ. संजीव, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सूचना प्रऔद्योगिकी।

3) सिंधु, डॉ. जगदीप, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया।
4) महेंदरा, डॉ. शीतल प्रसाद, बसवाल प्रियंका, भारतीय राजनीति में मीडिया की भूमिका।
5) सास्त्या, डॉ. सीमा, भारतीय लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका, तमेमंतबी चंचमत।
6) चौधरी,डॉक्टर लाखाराम, मीडिया और राजनीति ।
7) डॉ. श्रुति, मीडिया का वर्तमान सामाजिक राजनीतिक परिदृश्य।
8) सिंह, रानी एवं तिवारी, डॉ. संध्या, भारतीय राजनीति में मीडिया की भूमिका।
9) NDTV-(2023)Chhattisgarh election coverage and political developments https://www.ndtv.com/.
10) India Today (2023).Media debatets and election isusses in chhattisgarh https://www.india today. in/.